

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी

(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था

Sahitya Akademi

(National Academy of Letters)

An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture



सा.अ.16 / 14

23 दिसंबर 2020

शोक संदेश

हम प्रख्यात विद्वान तथा आधुनिक भारतीय साहित्य की उत्कृष्ट कवयित्री श्रीमती सुगाताकुमारी के निधन पर अत्यंत शोकाकुल हैं। वह एक महान कवयित्री, एक श्रेष्ठ दार्शनिक तथा पर्यावरणविद् थीं, जिनका हृदय सदैव आमजन के लिए धड़कता था। उनकी आमजन तथा प्रकृति के प्रति समझ, लोगों के अव्यक्त विचारों को शब्दों में पिरोने की क्षमता, उन्हें कई वरिष्ठ रचनाकारों के बीच उत्कृष्ट रचनाकार के रूप में प्रस्तुत करती थी। साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित कविता-संग्रह *राथरिमाष*, केरल साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित *पाथिरापूकळ* तथा उनकी अन्य कृतियाँ *अम्बालमणि* एवं *मनोलेषुहुथु* जैसी रचनाओं ने उन्हें आधुनिक भारत की महानतम कवयित्रियों में से एक बना दिया था।

उन्होंने बाल साहित्य को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास किए, जिसके फलस्वरूप उन्हें केरल साहित्य अकादेमी द्वारा बाल साहित्य के लिए आजीवन योगदान हेतु सम्मानित किया गया। उनके राष्ट्रव्यापी आंदोलनों में साइलेंट वैली के संरक्षण का समग्र प्रयास एवं अभय नामक संस्था चलाना है, जो मानसिक रूप से प्रभावित महिलाओं को आश्रय देती है इसके अतिरिक्त उनके पास निरंतर मदद माँगने वालों की सहायता करना, यह कुछ ऐसी खासियतें हैं जिनसे सभी को सीखना एवं उनका अनुकरण करना चाहिए। उनका निधन एक गहरे शून्य के साथ-साथ एक समृद्ध विरासत भी छोड़ गया है।

साहित्य अकादेमी श्रीमती सुगाताकुमारी के परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करती है।

के. श्रीनिवासराव